पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सिनेब्रेशन 2.0 का भव्य समापन

सांस्कृतिक कार्यक्रम और बैंड ने बांधा समां

अनमोल संदेश, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सिनेमा अध्ययन और जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय फिल्म प्रदर्शनी समारोह सिनेब्रेशन 2.0 शुक्रवार को उत्साहपूर्ण और भव्य समापन हुआ। यह आयोजन छात्रों की रचनात्मकता, सिनेमाई प्रतिभा और सांस्कृतिक उत्साह का शानदार प्रदर्शन रहा। दो दिनों तक चले इस समारोह में छात्रों द्वारा निर्मित लघु फिल्मों की प्रदर्शनी, मास्टर क्लास, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह ने दर्शकों का मन मोह लिया।

समारोह के दूसरे दिन छात्रों द्वारा निर्मित 7 लघु फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिनमें गंगीर, बैटलक, कुंभ, ध्रुवतारा, और अक्षरा विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं। इन फिल्मों ने न केवल

दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर गहरे संदेश भी दिए। प्रत्येक फिल्म ने अपनी अनूठी कहानी, प्रभावशाली निर्देशन और तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर सौंच फिल्म्स की संस्थापक दीया चौधरी ने मास्टर क्लास भी ली, जिसका समन्वयन सिनेमा अध्ययन विभाग की शिक्षिका निहारिका सिंह ने किया। इस सत्र में उन्होंने छात्रों को फिल्म निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किसी भी फिल्म की आत्मा उसके पात्र और संवाद होते हैं, जो दर्शकों के मन में स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। उन्होंने फिल्म लेखन की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि यह फिल्म निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। दीया चौधरी ने कैमरा तकनीक, संपादन, और कहानी कहने की कला पर भी विस्तार से चर्चा की, जिससे छात्रों को सिनेमाई कला के विविध आयामों की गहरी समझ प्राप्त हुई। समारोह के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया। एकल गायन, नृत्य प्रदर्शन और बैंड प्रस्तुति ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

विशेष रूप से आदित्य एंड कैलेटिव्स के बैंड ग्रुप की प्रस्तुति ने छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ये प्रदर्शन मनोरंजन के साथ छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को भी प्रदर्शित किया। सिनेमा अध्ययन और जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने सिनेमा और जनसंपर्क विभाग के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सिनेब्रेशन 2.0 तीन आयामों–फिल्म प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मास्टर क्लास–के माध्यम से छात्रों के लिए एक अनूठा मंच साबित हुआ है। इसने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि सामाजिक विषयों को रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत करने और सिनेमाई कला की बारीकियाँ सीखने का अवसर भी दिया।

उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह की रचनात्मक पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह के समापन पर उत्कृष्ट फिल्मों और रचनात्मक कार्यों के लिए छात्रों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह ने छात्रों के उत्साह को और बढ़ाया। मंच संचालन जनसंपर्क विभाग की छात्राओं दिशा और शालिनी ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जनसंपर्क एवं सिनेमा अध्ययन विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. गजेंद्र अवास्या एवं डॉ. जया सुरजानी समेत विभाग के अन्य शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सिनेब्रेशन 2.0 का भव्य समापन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बैंड ने बांधा समां

■ नर्मदा की पुकार

छिंदवाड़ा,मनोज सोनी । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सिनेमा अध्ययन और जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय फिल्म प्रदर्शनी समारोह सिनेब्रेशन 2.0 शुक्रवार को उत्साहपूर्ण और भव्य समापन हुआ। यह आयोजन छात्रों की रचनात्मकता, सिनेमाई प्रतिभा और सांस्कृतिक उत्साह का शानदार प्रदर्शन रहा। दो दिनों तक चले इस समारोह में छात्रों द्वारा निर्मित लघु फिल्मों की प्रदर्शनी, मास्टर क्लास, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह ने दर्शकों का मन मोह लिया।

समारोह के दूसरे दिन छात्रों द्वारा निर्मित 7 लघु फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिनमें गंगौर, बैट लक, कुंभ, ध्रुवतारा, और अक्षरा विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं। इन फिल्मों ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर गहरे संदेश भी दिए। प्रत्येक फिल्म ने अपनी अनूठी कहानी, प्रभावशाली निर्देशन और तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

इस अवसर पर +सोंच फिल्म्स+ की संस्थापक दीया चौधरी ने मास्टर क्लास भी ली, जिसका समन्वयन सिनेमा अध्ययन विभाग की शिक्षिका निहारिका सिंह ने किया। इस सत्र में उन्होंने छात्रों को फिल्म निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किसी भी फिल्म की आत्मा उसके पात्र और संवाद होते हैं, जो दर्शकों के मन में स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। उन्होंने फिल्म लेखन की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि यह फिल्म निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। दीया चौधरी ने कैमरा तकनीक, संपादन, और कहानी कहने की कला पर भी विस्तार से चर्चा की, जिससे छात्रों को सिनेमाई कला के विविध आयामों की गहरी समझ प्राप्त हुई।

समारोह के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया। एकल गायन, नृत्य प्रदर्शन और बैंड प्रस्तुति ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। विशेष रूप से आदित्य एंड के लेटिव्स के बैंड ग्रुप की प्रस्तुति ने छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ये प्रदर्शन मनोरंजन के साथ छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को भी प्रदर्शित किया।

सिनेमा अध्ययन और जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने सिनेमा और जनसंपर्क विभाग के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, +सिनेब्रेशन 2.0 तीन आयामों–फिल्म प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मास्टर क्लास–के माध्यम से छात्रों के लिए एक अनूठा मंच साबित हुआ है। इसने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि सामाजिक विषयों को रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत करने और सिनेमाई कला की बारीकियाँ सीखने का अवसर भी दिया।+ उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह की रचनात्मक पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह के समापन पर उत्कृष्ट फिल्मों और रचनात्मक कार्यों के लिए छात्रों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह ने छात्रों के उत्साह को और बढ़ाया। मंच संचालन जनसंपर्क विभाग की छात्राओं दिशा और शालिनी ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जनसंपर्क एवं सिनेमा अध्ययन विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. गजेंद्र अवास्या एवं डॉ. जया सुरजानी समेत विभाग के अन्य शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

https://www.bhaskarhindi.com/education/makhanlal-chaturvedi-patrakarita-vishwavidyalay-me-cinebration-ka-aagaj-1135629